राज्य, वाचाएँ और पुराने नियम का कैनन

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय तीन

दिव्य वाचाएँ

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 4

नोट्स 5

I. परिचय (0:28) 5

II. राज्य और वाचाएँ (2:42) 5

A. पुरातात्विक खोजें (3:59) 5

B. धर्मशास्त्रीय/बाइबलीय अन्तर्दृष्टियाँ (9:36) 7

III. वाचाओं का इतिहास (17:05) 8

A. सार्वभौमिक वाचाएँ (19:15) 8

1. आदम (20:25) 9
2. नूह (24:09) 10

B. राष्ट्रीय वाचाएँ (27:06) 11

1. अब्राहम (27:58) 11
2. मूसा (30:14) 12
3. दाऊद (32:52) 13

C. नई वाचा (35:00) 13

IV. वाचा के पहलू (39:17) 15

A. सार्वभौमिक वाचाएँ (42:17) 16

1. आदम (42:57) 16
2. नूह (44:49) 17

B. राष्ट्रीय वाचाएँ (47:44) 17

1. अब्राहम (48:32) 17
2. मूसा (51:57) 19
3. दाऊद (54:04) 20

C. नई वाचा (55:55) 20

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

V. वाचाओं के लोग (1:02:01) 22

A. मानवता की श्रेणियाँ (1:02:48) 22

1. वाचाओं के अन्तर्गत (1:04:15) 22

2. शामिल और वंचित (1:09:08) 24

B. पहलुओं का प्रयोग (1:12:41) 25

1. वंचित अविश्वासी (1:14:15) 25

2. शामिल अविश्वासी (1:17:11) 26

3. शामिल विश्वासी (1:21:57) 27

VI. उपसंहार (1:28:52) 28

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 29

उपयोग के प्रश्न 34

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें** — जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:28)

II. राज्य और वाचाएँ (2:42)

सामान्यत: अनुवादित शब्द “वाचा,” इब्रानी में *बेरीत*, 287 बार आता है।

A. पुरातात्विक खोजें (3:59)

प्राचीन इस्राएल के चारों ओर की प्राचीन संस्कृतियों की खोजों ने हमें बाइबलीय वाचाओं के चरित्र के बारे में अनेक विचार प्रदान किए हैं।

सर्वाधिक महत्वपूर्ण खोज लेखों का एक समूह है जिन्हें सुजरेन-वासल सन्धियों के नाम से जाना जाता है।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

सुजरेन-वासल सन्धियों को राजाओं द्वारा अपने राज्यों के संचालन के लिए बनाया जाता था।

- *शाही उदारता* : शाही उदारता पर बल के साथ, सम्राट ने अपने वासलों के साथ जो दया दिखाई थी, इन सन्धियों का परिचय दिया जाता था।

- वासल की वफादारी : सुजरेन-वासल सन्धियों ने वासल की वफादारी की जरूरत पर ध्यान केन्द्रित किया; उन्होंने सम्राट के वासलों के लिए आज्ञापालन के प्रकारों को बताया।

- *परिणाम* : सुजरेन-वासल सन्धियों ने वासलों की वफादारी और विश्वासघात के परिणामों की ओर ध्यान खींचा।

सुजरेन-वासल सन्धियों की ये तीन केन्द्रिय विशेषताएँ पुराने नियम की वाचाओं की प्रकृति समझने में हमारी सहायता करती हैं।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

B. धर्मशास्त्रीय/बाइबलीय अन्तर्दृष्टियाँ (9:36)

पुराने नियम में वाचा का एक विशिष्ट प्रकार दिव्य वाचा है। ये वे वाचाएँ हैं जो स्वयं परमेश्वर ने लोगों के साथ बाँधीं।

जब हम मूसा के साथ बाँधी गई परमेश्वर की वाचा को देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इसकी संरचना प्राचीन पूर्व की सुजरेन-वासल सन्धियों से मिलती-जुलती है।

- *दिव्य उदारता* : परमेश्वर इस्राएल को अपनी दिव्य उदारता के बारे में याद दिलाता है जिसे उसने उन्हें मिस्र में दासत्व से छुटकारा देकर दिखाया था।

- *मानवीय वफादारी* : परमेश्वर ने अपने सेवकों के वफादार होने की माँग रखी और मूसा की व्यवस्था ने उन्हें अपनी वफादारी को दिखाने के कई तरीकों के बारे में बताया।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- *परिणाम* : मूसा की वाचा में परमेश्वर के लोगों की वफादारी और विश्वासघात के परिणाम भी शामिल थे।

पुराने नियम की दिव्य वाचाएँ शाही व्यवस्थाएँ थीं। वाचाएँ वे माध्यम हैं जिनके द्वारा परमेश्वर अपने राज्य पर शासन करता था।

III. वाचाओं का इतिहास (17:05)

राज्य में प्रत्येक काल या चरण में, परमेश्वर ने उन विशिष्ट मुद्दों से संबंधित वाचाओं को बाँधा जिनका लोग राज्य के प्रत्येक चरण में सामना कर रहे थे।

A. सार्वभौमिक वाचाएँ (19:15)

आदम और नूह, हर गोत्र और जाति के प्रत्येक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते थे। उनके साथ जो हुआ उसका प्रभाव उनके बाद आने वाले हर मनुष्य पर पड़ा।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

1. आदम (20:25)

आदम के साथ की वाचा उत्पत्ति के प्रथम तीन अध्यायों में पाये जाने वाले सृष्टि के लेखों में आती है।

प्रमाण के तीन अंश दृढ़ सुझाव देते हैं कि मानवता के प्रतिनिधि के रूप में आदम के साथ वास्तव में परमेश्वर ने वाचा बाँधी।

- दिव्य वाचाओं के मूल अवयव निश्चित रूप से उत्पत्ति 1 से 3 अध्यायों में उपस्थित हैं।

- होशे 6:7 इस्राएल के पापों की तुलना अदन की वाटिका में आदम के पाप से करता है, और दोनों को वाचा तोड़ने के रूप में बताता है।

- नूह की वाचा को पहले से ही विद्यमान वाचा, यानि परमेश्वर द्वारा आदम के साथ बाँधी गई वाचा की पुष्टि के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

परमेश्वर ने आदम, जो सम्पूर्ण मानव जाति का प्रतिनिधि था, के साथ एक औपचारिक संबंध को शुरू किया। इसे हम आधारों की वाचा कह सकते हैं।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

आदम के साथ बाँधी गई वाचा ने सदा के लिए परमेश्वर के साथ मनुष्यों के संबंध के कायदों को निर्धारित किया। इसने उसके राज्य में हमारी भूमिका के आधारों को स्थापित किया।

2. नूह (24:09)

नूह की वाचा :

- परमेश्वर के राज्य की आदिम अवधि में स्थापित की गई थी।
- सर्वाधिक मूलभूत मुद्दों से संबंधित थी जिनका सारे मनुष्यों से सामना होता है।

उत्पत्ति 6 और 9 अध्यायों में वर्णन किया गया है।

नूह की वाचा को सृष्टि के क्रम में स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए बाँधा गया था, और इसलिए इसे स्थिरता की वाचा कहना उचित ही है।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

परमेश्वर ने यह वायदा करते हुए नूह के साथ वाचा बाँधी, कि प्रकृति स्थिर रहेगी ताकि मानव जाति इस गिरे हुए संसार में अपनी नियति तक पहुँच सके।

B. राष्ट्रीय वाचाएँ (27:06)

जैसे-जैसे परमेश्वर का राज्य प्राचीन इतिहास से उस अवधि की ओर बढ़ा जिस में परमेश्वर ने विशेष रूप से इस्राएल जाति पर ध्यान दिया, तब परमेश्वर ने तीन राष्ट्रीय वाचाओं को बाँधा।

1. अब्राहम (27:58)

हम अब्राहम की वाचा के स्पष्ट उल्लेखों को उत्पत्ति 15 और 17 अध्यायों में पाते हैं।

अब्राहम की वाचा ने सम्पूर्ण पृथ्वी पर परमेश्वर के स्वर्गीय राज्य को लाने के लिए परमेश्वर के विशेष उपकरणों के रूप में इस्राएल को पृथ्वी की सारी जातियों से अलग किया। इस वाचा को प्रतिज्ञा की वाचा के रूप में देखा जा सकता है।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. मूसा (30:14)

मूसा ने राज्य के लिए स्वयं के कार्यों के आधार के रूप में बारम्बार अब्राहम के साथ की वाचा को याद दिलाया।

मूसा के साथ की राष्ट्रीय वाचा परमेश्वर द्वारा पूर्व में अब्राहम के अधीन इस्राएल के साथ बाँधी गई राष्ट्रीय वाचा पर आधारित थी और उसके साथ सामंजस्यपूर्ण थी।

मूसा की वाचा निर्गमन 19-24 में पाई जाती है। हम इस वाचा को व्यवस्था की वाचा कह सकते हैं।

जब इस्राएल के लोग इस वाचा को बाँधने के लिए सहमत हुए, तो उनका समर्पण परमेश्वर की व्यवस्था के प्रति समर्पण के रूप में आया।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. दाऊद (32:52)

दाऊद की वाचा इस्राएल जाति के साथ बाँधी गई पूर्व की वाचाओं पर निर्मित थी।

- 2 इतिहास 6:16
- भजन 89

दाऊद की वाचा ने दाऊद से वायदा किया कि उसका वंश इस्राएल में सदा के लिए राज करेगा। दाऊद की वाचा को हम इस्राएल की राजपद की वाचा कह सकते हैं।

C. नई वाचा (35:00)

पुराने नियम ने एक नई वाचा के बारे में बताया जो परमेश्वर के राज्य के अन्तिम चरण में आएगी।

- यिर्मयाह 31
- यहेजकेल 37

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

मसीह में इस नई वाचा के द्वारा, परमेश्वर अपने राज्य के अन्तिम चरण में उसका संचालन करता है, जिसे हम नये नियम का समय कहते हैं। नई वाचा पूर्णता की वाचा है।

यह पूर्णता की वाचा उस समय परमेश्वर के लोगों के संचालन के लिए थी जब परमेश्वर उनकी बँधुवाई को समाप्त करेगा और अपने राज्य का पृथ्वी की छोर तक विस्तार करेगा।

नये नियम में परमेश्वर के राज्य की इन तीन दशाओं को याद रखना यह समझने के लिए आवश्यक है कि परमेश्वर ने नई वाचा को कैसे स्थापित किया।

नई वाचा आदम, नूह, अब्राहम, मूसा और दाऊद के साथ वाचाओं के संचालन के पीछे के परमेश्वर के उद्देश्यों को पूर्ण करेगी।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

IV. वाचा के पहलू (39:17)

ये बल वाचा के जीवन का सम्पूर्ण विवरण नहीं हैं; वे केवल कुछ मुख्य भागों को छूते हैं :

- आदम की वाचा — आधारभूत प्रारूपों
- नूह की वाचा — प्रकृति की स्थिरता
- अब्राहम की वाचा — परमेश्वर का वायदा
- मूसा की वाचा — परमेश्वर की व्यवस्था
- दाऊद की वाचा — दाऊद का राजवंश
- नई वाचा— पूर्णता

परमेश्वर के साथ वाचा में जीवन बिताने में सर्वदा ये बातें शामिल थीं :

- परमेश्वर की उदारता
- मानवीय वफादारी की माँग
- मानवीय वफादारी या विश्वासघात के परिणाम

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

A. सार्वभौमिक वाचाएँ (42:17)

1. आदम (42:57)

दिव्य उदारता : परमेश्वर ने प्रथम पुरूष और स्त्री के प्रति उनके पाप करने से पूर्व ही अत्यधिक उदारता दिखाई।

मानवीय वफादारी : परमेश्वर ने भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष के द्वारा उनकी वफादारी की परीक्षा की।

परिणाम : परमेश्वर ने आदम और हव्वा को बताया कि यदि उन्होंने विश्वासघात किया और प्रतिबंधित फल को खाया तो शाप के परिणामों को भोगना होगा।

आदम और हव्वा के लिए जो सत्य था वह उनके वंशजों के लिए भी सत्य था।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. नूह (44:49)

दिव्य उदारता : उसने नूह और उसके परिवार को बचाने का निर्णय लिया।

मानवीय वफादारी : परमेश्वर ने मूसा को जहाज बनाने और प्राणियों को एकत्रित करने की आज्ञा दी।

परिणाम : नूह परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य था। अत:, जल प्रलय के पश्चात् परमेश्वर के उसकी भेंट से प्रसन्न हुआ और उसे एक स्थिर संसार से आशीषित किया।

B. राष्ट्रीय वाचाएँ (47:44)

1. अब्राहम (48:32)

अब्राहम की वाचा ने इस्राएलियों के लिए सन्तान और भूमि के वायदों पर बल दिया, परन्तु उस समय वाचा के तीनों पहलू क्रियाशील थे।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

दिव्य उदारता : अब्राहम के परमेश्वर ने उसके प्रति दया दिखाई, उसके पाप को क्षमा किया, उसे धर्मी ठहराया, और उसे समस्याओं से छुड़ाया।

मानवीय वफादारी : परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि :

- वह अपने देश और पिता के घर को छोड़कर एक ऐसे देश में जाए जिसे उसने कभी नहीं देखा था।

- मेरी उपस्थिति में चल और सिद्ध होता जा।

परिणाम :

- अब्राहम के वंशजों की संख्या में वृद्धि वफादारी का परिणाम होगी।

- इस्राएली पुरूषों में जिस का खतना न हुआ हो वह अपने लोगों में से नाश किए जाने का शाप सहेगा।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. मूसा (51:57)

मूसा की वाचा ने परमेश्वर की व्यवस्था पर बल दिया क्योंकि यह उस समय बाँधी गई थी जब परमेश्वर इस्राएल के गोत्रों को एक एकीकृत राष्ट्र में बदल रहा था।

दिव्य उदारता : दस आज्ञाओं की प्रस्तावना में स्पष्ट है जो परमेश्वर की व्यवस्था से पहले आती है।

मानवीय वफादारी : पहली आज्ञा — दिव्य अनुग्रह मानवीय वफादारी के विरूद्ध नहीं था; बल्कि इसमें सहायक था और विश्वासयोग्यता की ओर ले जाता था

परिणाम : निर्गमन 20:4-6 में दस आज्ञाएँ वफादारी और विश्वासघात के परिणामों के बारे में बताती हैं:

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. दाऊद (54:04)

दिव्य उदारता : उसने दाऊद को चुना और उसे तथा उसके वंश को इस्राएल के ऊपर सदा के लिए राजवंश नियुक्त किया।

मानवीय वफादारी : दाऊद और उसकी संतान से परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने की मांग की गई।

परिणाम : यदि दाऊद के पुत्र परमेश्वर की व्यवस्था को त्याग दें, तो उन्हें कठोर दण्ड मिलेगा। यदि दाऊद के वंशज परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहें तो उन पर बड़ी आशीषें आएँगी।

C. नई वाचा (55:55)

दिव्य उदारता : परमेश्वर ने नई वाचा को स्थापित करते समय अपने निर्वासित लोगों पर बड़ी दया दिखाने का वायदा किया।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

मानवीय वफादारी : परमेश्वर अपनी व्यवस्थाओं को समाप्त करने का वायदा नहीं करता है, और वह किसी को उन्हें मानने से छूट नहीं देता है।

परिणाम : परमेश्वर अपने लोगों को आशीष देगा क्योंकि वे इस वाचा की जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे।

मसीह में परमेश्वर के राज्य के अन्तिम चरण के प्रारूप का पालन करते हुए, नई वाचा तीन चरणों में अस्तित्व में आती है।

- *आरम्भ* : नई वाचा का आरम्भ इसलिए हुआ क्योंकि मसीह ने अपनी पृथ्वी की सेवकाई को पूर्ण किया।

- *निरन्तरता* : नई वाचा, वाचा के मध्यस्थ के रूप में मसीह के निरंतर कार्य पर भी निर्भर है।

- *पूर्णता* : एक दिन वह लौटेगा और नई वाचा के वायदों को पूरा करेगा।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

V. वाचाओं के लोग (1:02:01)

A. मानवता की श्रेणियाँ (1:02:48)

1. वाचाओं के अन्तर्गत (1:04:15)

पुराने नियम की प्रत्येक वाचा में विश्वासी और अविश्वासी दोनों शामिल थे।

आदम और नूह के साथ की गई सार्वभौमिक वाचाओं में सब लोग शामिल हैं, वे विश्वासी हों या अविश्वासी इन वाचाओं के द्वारा परमेश्वर से बँधे हैं।.

राष्ट्रीय वाचाओं में भी विश्वासी और अविश्वासी दोनों शामिल थे।

इस्राएल के इतिहास में परमेश्वर ने इस्राएल राष्ट्र के भीतर विश्वास करने वालों और विशवास न करने वालों में भिन्नता प्रकट की।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

नई वाचा का वायदा है कि इसकी पूर्णता पर उसके अन्तर्गत हर व्यक्ति सच्चा विश्वासी होगा।

हमें याद रखना चाहिए कि नई वाचा में परमेश्वर का राज्य तीन चरणों में पूर्ण होता है।

पूर्ण उद्धार देने के लिए मसीह के लौटने तक, नई वाचा के लोग दो भागों में विभाजित हैं : विश्वासी और अविश्वासी।

नए नियम के लेखक जानते थे कि नई वाचा के समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति सच्चा विश्वासी नहीं था।

मसीह के लौटने तक, कलीसिया, नई वाचा के समुदाय में, सच्चे विश्वासी और अविश्वासी दोनों रहेंगे।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. शामिल और वंचित (1:09:08)

सारे लोग, अन्यजातियों सहित, सार्वभौमिक वाचाओं के लोग हैं, परन्तु अन्यजाति के लोग इस्राएल के साथ बाँधी गई विशेष राष्ट्रीय वाचाओं के लोग नहीं थे।

राष्ट्रीय वाचाओं के समय तक, संसार में वास्तव में तीन प्रकार के लोग थे :

- वे लोग जो सच्चे विश्वासियों के रूप में परमेश्वर के साथ इस्राएल की वाचाओं में थे।
- वे लोग जो अविश्वासियों के रूप में परमेश्वर के साथ इस्राएल की वाचाओं में थे।
- वे लोग जो इस्राएल की वाचा के बाहर थे।

अब जबकि मसीह आ चुका है, अब वाचा से बाहर के लोगों में वे यहूदी और अन्यजाति दोनों शामिल हैं जिनका मसीह या उसकी कलीसिया में कोई भाग नहीं है।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

B. पहलुओं का प्रयोग (1:12:41)

पुराने नियम को पहले पढ़ने वाले पुराने नियम के इस्राएली और हम मसीही जो अब इसे पढ़ते हैं दोनों मानव जाति के उसी तीन-स्तरीय विभाजन का सामना करते हैं :

- वे जो वाचा के बाहर हैं
- वाचा में अविश्वासी
- वाचा में विश्वासी

1. वंचित अविश्वासी (1:14:15)

अविश्वासी आदम और नूह की सार्वभौमिक वाचाओं में सहभागी हैं, इसलिए उनका जीवन वाचाओं के इन तीनों व्यवहारों से प्रभावित होता है।

- *दिव्य उदारता* : सारे लोगों के प्रति दिखाई जाने वाली करूणा के द्वारा सारे अविश्वासी परमेश्वर की दया का अनुभव करते हैं। हम इन आशीषों को अक्सर “सामान्य अनुग्रह” कहते हैं।

- *मानवीय वफादारी* : राष्ट्रीय वाचाओं और नई वाचा के बाहर के अविश्वासियों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने सृष्टिकर्ता के प्रति वफादार बनें।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- *परिणाम* : मसीह के लौटने पर, ये अविश्वासी परमेश्वर से कोई आशीष नहीं पायेंगे। वे केवल उसके अनन्त दण्ड को सहेंगे।

2. शामिल अविश्वासी (1:17:11)

ऐसे अविश्वासी जो इस्राएल राष्ट्र की वाचा में हैं और नई वाचा में भी हैं, वे भी वाचा के इन तीनों पहलुओं का अनुभव करते हैं :

- *दिव्य उदारता* : परमेश्वर वाचाओं के बाहर के अविश्वासियों से बढ़कर उन अविश्वासियों पर बड़ी दया दिखाता है जो उसके साथ वाचा में हैं।

- *मानवीय वफादारी* : उन्होंने वफादारी की माँग को बढ़ा दिया है, क्योंकि उन्होंने दूसरे अविश्वासियों से अधिक परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त किया है।

- *परिणाम* : वे अल्पकालिक आशीषों का अनुभव करते हैं। परन्तु जब मसीह का आगमन होगा तो वे अनंत दण्ड का सामना करेंगे।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. शामिल विश्वासी (1:21:57)

ये अद्‌भुत रूप से परमेश्वर के विशेष लोग हैं जिनके लिए मसीह में अपरिवर्तनीय अनन्त जीवन रखा गया है :

- *दिव्य उदारता* : उदारता को मापा नहीं जा सकता, जिसमें पापों की क्षमा, और परमेश्र के साथ अनन्त संगति शामिल है।

- *मानवीय वफादारी* :
    - परमेश्वर ने मसीह में हमारे लिए जो कुछ किया है उसके प्रति कृतज्ञता के कारण आज्ञापालन में वफादार।
    - अपने विश्वास को परखने और साबित करने के लिए पवित्र वचन के नियमों और कानूनों का पालन करना।

- *परिणाम* : पुराने नियम और नये नियम में सच्चे विश्वासी अपनी वफादारी और विश्वासघात के परिणामों को सहते हैं :
    - सच्चे विश्वासी परमेश्वर से अल्पकालिक आशीषों और शापों को पाते हैं।
    - जब मसीह महिमा में लौटेगा तो सच्चे विश्वासी केवल परमेश्वर की अनन्त आशीषों को अनुभव करेंगे।

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुराने नियम में प्रत्येक पद्यांश ने इसके मौलिक पाठकों को परमेश्वर की वाचाओं के संबंध में अपनी स्थिति पर विचार करने की चेतावनी दी और उन्हें उत्साहित किया और हमें भी आज ऐसा ही करना चाहिए।

वाचा के पहलू आज जीवित हर प्रकार के व्यक्ति पर कैसे लागू होते हैं

VI. उपसंहार (1:28:52)

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. हाल ही की पुरातात्विक खोजों से बाइबल की वाचाओं को समझने में हमें क्या सहायता मिल सकती है?

2. हाल ही की पुरातात्विक खोजें हमें बाइबल की वाचाओं में क्या नए विचार प्रदान कर सकती हैं?

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

3. किस प्रकार सार्वभौमिक वाचाएं परमेश्वर के राज्य के उद्देश्यों को आगे बढ़ा सकती हैं?

4. किस प्रकार राष्ट्रीय वाचाएं परमेश्वर के राज्य के उद्देश्यों को आगे बढ़ा सकती हैं?

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. किस प्रकार नई वाचा परमेश्वर के राज्य के उद्देश्यों को आगे बढ़ा सकती है?

6. सार्वभौमिक वाचाओं में वाचायी पहलू किस प्रकार व्यक्त किए जाते हैं?

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. इस्राएल की राष्ट्रीय वाचाओं में वाचायी पहलू किस प्रकार व्यक्त किए जाते हैं?

8. नई वाचा में वाचायी पहलू किस प्रकार व्यक्त किए जाते हैं?

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

9. सब प्रकार की दिव्य वाचाओं में मानवजाति के विभाजनों का वर्णन कीजिए।

10. इन भिन्न समूहों के लोगों पर वाचा के पहलू या व्यवहार किस प्रकार लागू किए जाते हैं?

© 2008 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. परमेश्वर के साथ आपका व्यक्तिगत संबंध किस प्रकार वाचाओं की तीन मुख्य विशेषताओं से बना हुआ है? किन रूपों में ये तीन विशेषताएं परमेश्वर के साथ आपके संबंध के मुख्य पहलुओं को दर्शाती हैं?

2. इस अध्ययन में हमने देखा है कि सभी वाचाएं परमेश्वर के अनुग्रह और दया पर निर्भर होती हैं। जब हम वफादारीपूर्ण आज्ञाकारिता और वफादारी एवं विश्वासघात के परिणामों का अध्ययन करते हैं तो वाचाओं के इस मूलभूत तत्व को याद रखना क्यों महत्वपूर्ण है?

3. बाइबल की सभी वाचाओं में आशीष और शाप के परिणाम पाए जाते हैं। आधुनिक संसार में, आपकी कलीसिया में, आपके अपने जीवन में आप इस पहलू को किस प्रकार कार्य करता हुआ देख सकते हैं?

4. किस प्रकार यह समझ कि संसार में तीन प्रकार के लोग हैं, आपके द्वारा अपनी कलीसिया के अन्य सदस्यों को देखने के दृष्टिकोण को प्रभावित करती है? यह कलीसियाई सदस्यता की आपकी समझ को किस प्रकार प्रभावित करनी चाहिए? क्या यह बपतिस्मा और प्रभु-भोज के आपके ज्ञान पर कोई प्रभाव डालती है?

5. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है? क्यों?

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org